भारत सरकार

पर्यटन मंत्रालय

**राज्य सभा**

मौखिक प्रश्न सं. 157#

गुरूवार, 13 मार्च, 2025/22 फाल्गुन, 1946 (शक)

को दिया जाने वाला उत्तर

**भगत सिंह, राजगुरु और सुखदेव के स्मारक**

**157# श्री संदीप कुमार पाठक:**

क्या **पर्यटन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या यह सच है कि भगत सिंह, सुखदेव और राजगुरु की समाधि पंजाब के फिरोजपुर जिले के हुसैनीवाला गांव में स्थित है, जहां अंग्रेजों ने उन्हें फांसी देने के बाद अवैध रूप से उनके शवों का अंतिम संस्कार किया था;

(ख) यदि हां, तो विगत तीन वर्षों के दौरान इन स्थानों को स्मारक और पर्यटन स्थल के रूप में विकसित करने के लिए केंद्र सरकार द्वारा उठाए गए कदमों का ब्यौरा क्या है और इसके लिए कितनी धनराशि उपलब्ध कराई गई है;

(ग) यदि नहीं, तो क्या सरकार इस स्थल को राष्ट्रीय स्मारक और पर्यटन स्थल के रूप में विकसित करने का विचार रखती है; और

(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

**उत्तर**

**पर्यटन मंत्री (श्री गजेन्द्र सिंह शेखावत)**

(क) से (घ): एक विवरण सभा पटल पर रख दिया गया है।

*****

श्री संदीप कुमार पाठक द्वारा भगत सिंह, राजगुरु और सुखदेव के स्मारक के संबंध में दिनांक 13.03.2025 को पूछे जाने वाले राज्य सभा के मौखिक प्रश्न सं. 157# के भाग (क) से (घ) के उत्तर में **विवरण**

(क): जी हां।

(ख) से (घ): पर्यटन स्थलों का विकास मुख्य रूप से संबंधित राज्य सरकार/संघ राज्यक्षेत्र प्रशासन द्वारा किया जाता है। हालांकि पर्यटन मंत्रालय अपनी 'स्वदेश दर्शन' और 'तीर्थस्थल जीर्णोद्धार एवं आध्यात्मिक विरासत संवर्धन अभियान (प्रशाद)' योजनाओं के माध्यम से विभिन्न पर्यटन स्थलों पर पर्यटन से संबंधित परियोजनाएं शुरू करने के लिए राज्य सरकारों/संघ राज्यक्षेत्र प्रशासनों को वित्तीय सहायता प्रदान करके उनके प्रयासों को संपूरित करता है। स्वदेश दर्शन योजना की एक उप-योजना 'चुनौती आधारित गंतव्य विकास' के भाग के रूप में मंत्रालय ने फिरोजपुर (हुसैनीवाला सीमा) को संस्कृति और विरासत श्रेणी के तहत विकास के लिए गंतव्य के रूप में चिह्नित किया है। राज्य सरकार से परियोजना प्रस्ताव प्राप्त होने के बाद, केंद्रीय मंजूरी और निगरानी समिति (सीएसएमसी) ने अब पंजाब में 24.99 करोड़ रु. की लागत वाली 'हुसैनीवाला सीमा पर शांति और सद्भाव की प्रतीक संस्कृति और विरासत का प्रसार' नामक परियोजना को मंजूरी दे दी है। इस परियोजना का उद्देश्य इस स्थान की ऐतिहासिक विरासत और सांस्कृतिक पहचान को संरक्षित रखना है। इस परियोजना को भगत सिंह, राजगुरु और सुखदेव जैसे स्वतंत्रता सेनानियों के बलिदान का सम्मान करने के लिए डिज़ाइन किया गया है।

इसके अलावा, भारत सरकार ने चालू वित्त वर्ष में 'पूंजी निवेश के लिए राज्यों को विशेष सहायता (एसएएससीआई) - राज्य सरकारों को वैश्विक स्तर पर प्रतिष्ठित पर्यटन केंद्रों का विकास' की अपनी योजना के तहत पंजाब में 'खटकर कलां, एसबीएस नगर में शहीद-ए-आजम सरदार भगत सिंह को श्रद्धांजलि के रूप में हेरिटेज स्ट्रीट' नामक 53.45 करोड़ रु. की परियोजना को भी मंजूरी दी है।

*****